जीवन - परिचय

बी.के. राजेन्द्र प्रसाद (राजू भाई)

आपका लौकिक जन्म उत्तर प्रदेश में कानपुर के पास एक छोटे गांव के आध्यात्मिक परिवार में हुआ। सन् 1960 में संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा के करकमलों द्वारा आपके लौकिक घर में एक छोटी गीतापाठशाला का शुभारम्भ हुआ। उस आध्यात्मिक वातावरण में आपका बचपन बीता, वहाँ से ही आपको योगी जीवन जीने का संकल्प आया। 1971 में आप पहली बार ब्रह्माकुमारीज़ के हेड क्वार्टर माउण्ट आबू में आये, मुख्यालय के दिव्य एवं शक्तिशाली वातावरण को देखकर आपने अपनी पूरी जीवन महायज्ञ में समर्पित कर सेवायें देने का निर्णय ले लिया। आप लौकिक पढ़ाई पूरी कर 1972 से माउण्ट आबू में समर्पित रूप से विभिन्न डिपार्टमेंट में अपनी अथक सेवायें दे रहे हैं।

आपने हेड क्वार्टर में रहते हुए 1973 में सिन्धी भाषा को सीखने के साथ हिन्दी टाइप सीखी। 1976 से आपने परमात्म महावाक्य (जिसे संस्था में मुरली के नाम से सम्बोधित किया जाता है), उन्हें सिन्धी से हिन्दी में अनुवाद करके आप सभी सेवाकेन्द्रों पर भिजवाने की सेवायें दे रहे हैं।

परमात्मा पिता से अव्यक्त रूप में आपको दिव्य बुद्धि का वरदान मिला हुआ है, उसी वरदान के प्रमाण आपने अपनी एकाग्र और कुशल बुद्धि व निमित्त बड़ी दादियों की प्रेरणाओं द्वारा ईश्वरीय विद्यार्थियों के पुरुषार्थ को सरल बनाने के लिए मुरली में उसका सार, वरदान तथा स्लोगन आदि विशेष प्वाइंटस हाईलाइट करने की विशेष सेवायें आप ही देते हैं।

मुख्यालय से जो प्रति मास स्व-उन्नति हेतु मासिक **''पत्र-पुष्प''** निकलता है, जिसमें विशेष अव्यक्त इशारे, परमात्म प्रेरणायें, दादी जी की प्रेरणायें वा क्लासेज आदि होती हैं, उन्हें आप ही प्रकाशित करते हैं। साथ-साथ मुख्यालय में दादी जी के पास आने वाले पत्रों के जवाब देने, पत्र-व्यवहार का कार्य भी आप सम्भालते हैं।

अव्यक्त रूप में परमपिता परमात्मा शिव वा पिताश्री ब्रह्मा बाबा, (बापदादा) जब साकार वतन में दादी हृदयमोहिनी जी के तन में पधारकर अपने दिव्य महावाक्य उच्चारण करते हैं तब आप उन महावाक्यों का श्रवण करते हुए, उसी समय टाइप करके, तत्काल विश्व के कोने-कोने में भेजने की सेवा में विशेष अपना योगदान देते हैं। इन सेवाओं के साथ-साथ पाण्डव भवन, ज्ञान सरोवर तथा शान्तिवन के फोटोकापी डिपार्टमेंट तथा स्टेशनरी आदि को भी आप सम्भालते हैं।

आप राजयोगा एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन की ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक हैं। आपके निर्देशन में शाश्वत यौगिक खेती प्रोजेक्ट देश विदेश में बहुत फास्ट गति से फैल रहा है। इसके साथ-साथ आपके दिशा निर्देश में गांववासियों की विशेष सेवा के लिए अनेक अभियान समय प्रति समय निकलते रहते हैं, जैसे कि स्वच्छता अभियान, किसान सशक्तिकरण अभियान, व्यसन मुक्ति अभियान आदि। गांव दत्तक योजना के भी आप प्रेरणा स्रोत हैं।

विश्व के चहु दिशाओं में भ्रमण करते हुए - यू.एस.ए., यू.के., आस्ट्रेलिया, न्युजीलैण्ड, सिंगापुर, मलेशिया, नेपाल, फिजी, मारीशियस, यू ए ई (दुबई, दोहा, मस्कत) अफ्रीका तथा रसिया आदि देशों में भी अनेक विश्व स्तरीय कार्यक्रमों में आपने भाग लिया है। टेलीवीजन, रेडियो आदि में इन्टरव्यु देकर विभिन्न देशों की आध्यात्मिक सेवाओं को गति प्रदान की है।

समय प्रति समय आपने ईश्वरीय महावाक्यों को संग्रहित कर अनेक पुस्तकें भी छपवाई हैं - जैसे ज्ञान सरिता, ज्ञान सुमन, ज्ञान वीणा, ज्ञान के अनमोल मोती, ऐसे थे ब्रह्मा बाबा और अव्यक्त मुरलियों का सार आदि।

सतत ज्ञान अध्ययन के कारण आपकी बुद्धि में ईश्वरीय ज्ञान का खजाना भरपूर है तथा आपने योग की गहन अनुभूतियां की हैं, उसी आधार पर आप अपनी क्लासेज़ अथवा प्रवचनों के द्वारा अनेक आत्माओं को लाभान्वित करते रहते हैं।

—